BREAKING NEWS

क्विक हील फाउंडेशन ने 50 लाख से ज्यादा लोगों की जिंदगी बदली

शिक्षकों और विद्यार्थियों के उत्कृष्ट प्रयासों को सम्मानित किया गया, जिन्होंने अपनी इच्छा से 'साइबर शिक्षा फॉर साइबर सुरक्षा' की प्रमुख पहलों में भाग लिया था। पुरस्कार समारोह में क्विक हील फाउंडेशन की चेयरपर्सन सुश्री अनुपमा काटकर, जलगांव की कवयित्री बहीनाबाई चौधरी, नॉर्थ महाराष्ट्र यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रोफेसर वी. एल. माहेश्वरी, पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होलकर सोलापुर यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रोफेसर (डॉ.) प्रकाश ए. महानवर, महाराष्ट्र साइबर के एसपी श्री संजय शिंत्रे और पहलों में भाग लेने वाले 29 संस्थानों के शिक्षक मौजूद रहे। 'साइबर शिक्षा फॉर साइबर सुरक्षा' पहल का लक्ष्य डिजिटल दुनिया में साइबर सुरक्षा और सर्वश्रेष्ठ अभ्यासों के महत्व पर जागरूकता पैदा करना और जन-साधारण को शिक्षित करना है। यह खासकर समाज में हाशिये पर खड़े वर्गों के लिये है। यह पहल साइबरसुरक्षा के विभिन्न पहलुओं पर 47 लाख से ज्यादा विद्यार्थियों, शिक्षकों और आम लोगों को जागरूक कर चुकी है। ऐसे पहलुओं में साइबर खतरों की पहचान, साइबर हाइजीन की आदत, लागू साइबर कानून और साइबर नैतिकता शामिल हैं। इसके लिये स्थानीय शैक्षणिक संस्थानों के साथ गठजोड़ किये जाते हैं और नुक्कड़ नाटक होते हैं। इस पहल के तहत फाउंडेशन ने 'अर्न एण्ड लर्न' प्रोग्राम लॉन्च किया है।